

आप भी बना सकते हैं रेडियोलॉजी में कैरियर

अगर आपकी रुचि मेडिकल फील्ड में है तो आप रेडियोलॉजी टेक्नीशियन बनकर एक शानदार कैरियर बना सकते हैं।

मेडिकल का दायरा सिर्फ डॉक्टर या नर्स तक सीमित नहीं है, इसमें कई लोग जुड़े होते हैं। उन्हीं में है- रेडियोलॉजी टेक्नीशियन। आजकल हर छोटी-बड़ी बीमारी का आकलन करने के लिए एक्सरे किया जाता है। यह कार्य रेडियोलॉजिस्ट करते हैं। वर्तमान समय में यह क्षेत्र काफी तेजी से उभर रहा है। कैरियर बनाने के लिए इस क्षेत्र में बेहतरीन संभावनाएं हैं। केवल भारत में ही नहीं, विदेशों में भी हेल्थ सेक्टर में विशेषज्ञ तथा ट्रेड रेडियोलॉजिस्ट की काफी आवश्यकता महसूस की जा रही है। अमरीकन सोसाइटी ऑफ रेडियोलॉजी के अनुसार रेडियोलॉजिस्ट टेक्नीशियन की जितनी मांग है, उतनी पूर्ति नहीं है।

कैसे करता है काम

रेडियोलॉजिस्ट शरीर के विभिन्न अंगों का एक्सरे करते हैं। एक्सरे करते वक्त मरीज और आस-पास के लोगों पर रेडियोएक्टिव किरणों का साइड इफेक्ट न हो, इस बात की निगरानी भी रखते हैं। इसके अलावा वे रेडियोग्राफिक उपकरणों की देखभाल और रोगियों के रिकॉर्ड्स भी मैनेज करते हैं।

आवश्यक योग्यताएं

इस क्षेत्र से संबंधित स्नातक डिग्री, सर्टिफिकेट तथा डिप्लोमा कोर्स करने के लिए फिजिक्स, केमिस्ट्री व बायोलॉजी में 50 प्रतिशत अंकों के साथ बारहवीं पास होना जरूरी है। यदि आप साइंस विषयों में स्नातक हैं, तो पीजी डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं। गौरतलब है कि इसमें प्रवेश मुख्यतया बारहवीं पास अंकों के आधार पर ही होता है, लेकिन कुछ संस्थान एंट्रेंस टेस्ट व इंटरव्यू के आधार पर भी चयन करते हैं। अगर आप टैलेंटेड हैं तो इस फील्ड में सफलता मिलने के चांस ज्यादा हैं।

कौनसे हैं कोर्स

रेडियोलॉजी टेक्नीशियन बनने के लिए कई तरह के कोर्स उपलब्ध हैं। इसमें सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर डिप्लोमा, डिग्री और मास्टर्स तक के कोर्स हैं जैसे बीएससी इन रेडियोलॉजी (3 साल), सर्टिफिकेट इन रेडियोग्राफी (1 साल), डिप्लोमा इन एक्स-रे टेक्नीशियन (1 साल), पीजी डिप्लोमा इन रेडियो थेरेपी टेक्नोलॉजी (2 साल) आदि।

कहां-कहां हैं अवसर

यह कैरियर विकल्प के तौर पर लड़कों और लड़कियों दोनों के लिए अच्छा है। कोर्स के दौरान छात्रों को शरीर रचना विज्ञान, शरीर विज्ञान, विकिरण भौतिकी, इमेजिंग भौतिकी और रेडियोग्राफिक स्थिति के बारे में जानकारी दी जाती है। रेडियोलॉजिस्ट बनने के बाद नर्सिंग होम्स, अस्पताल, डाइग्नॉस्टिक सेंटर, अत्याधुनिक अस्पताल या फिर खुद का काम शुरू कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, नई दिल्ली www.aiims.edu
- दिल्ली पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली www.dpmiindia.com
- टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल, मुंबई www.tmc.gov.in
- क्रिश्चियन मेडिकल स्कूल, वैल्लूर, तमिलनाडु www.cmch-vellore.edu
- बीजे मेडिकल कॉलेज, अहमदाबाद, गुजरात www.bjmc.org

